PART-**1**

रोमन भूगोलवेत्ता- टालमी

भाग-4

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

टालमी (Ptolemy)

टालमी एक महान खगोलशास्त्री थे जिन्होंने खगोल शास्त्र की प्रसिद्ध पुस्तक **'अलमाजेस्ट'** (Almagest) की रचना की थी। प्रेक्षण, अन्वेषण तथा लेखन द्वारा टालमी ने गणितीय भूगोल, मानचित्रकला और सामान्य भूगोल के क्षेत्र में अति महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रचीन काल के समस्त यूनानी और रोमन भूगोलवेत्ताओं में टालमी सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं। टालमी के कार्यों का संकलन **'अलमाजेस्ट'** नामक पुस्तक में किया गया है जो अरबी भाषा में लिखी गयी है। टालमी की अन्य प्रमुख पुस्तकें हैं-

सामान्य और प्रादेशिक भूगोल (Gcncral and Regional Gcography)

टालमी की आठ खण्डों वाली प्रसिद्ध ग्रंथमाला ज्योग्राफिया मुख्यतः सामान्य भूगोल से सम्बंधित है और भूगोल के विविध पक्षों पर

प्रकाश डालती है। इसमें सामान्य सैद्धान्तिक नियमों, स्थानों की स्थितियों, मानचित्र कला की विधियों आदि का वर्णन किया गया है।

टालमी ने पश्चिमी यूगेप के कई प्रदेशों का सविस्तार वर्णन किया है। उन्होंने ज्योग्राफिया के द्वितीय खण्ड में यूरोप के फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, इटली, ब्रिटेन, मध्य यूरोप आदि प्रदेशों की विभिन्न प्रादेशिक विशेपताओं का भौगोलक वर्णन किया है। उन्होंने एशिया के भारत, चीन, पश्चिमी और मध्य एशिया की भौगोलिक विविधाओं का भी वर्णन किया है। संभवतः अल्प जानकारी के कारण टालमी ने अफ्रीका के केवल उत्तरी भाग और नील नदी के विषय में ही लिखा है ।